



Sāroj

Utsav

VOL-3



Saroj

Utsav

VOL-3

Saroj



1001

1002

1003

1004

1005

1006

1007

1008

सत्यं सत्यमेवैश्वरो लोकं सत्ये पथे सर्ववित्तम् ।
 सत्यमन्तर्नि सर्वेषां सत्याग्रहेति प्रो पदम् ॥
 तुम रुष्टि, पालन और संहर की शक्ति भृगा,
 सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो ।
 आराधिका! तुम्हें नमस्कार है ।



1001



1002



1003



1004



1005



1006



1007



1008